मिटीगेटर का छिड़काव.. कुटकी के प्रकोप सें करे बचाव !

मिटीगेटर®

अन्तर प्रवाही कुटकी मारक

- कुटकी, लाल मकड़ी की तुरन्त रोकथाम
- पर्यावरण मित्र बहुआयामी कुटकी निवारक
- जैविक खेती के किए वरदान

उत्पादक :

अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.

स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे

Customer Care No.: 020 25677605

ISO 9001:2015 + ISO 14001:2015 + ISO 45001:2018

मिटीगेटर®

मिटीगेटर क्या है ?

मिटीगेटर एक प्राकृतिक जड़ी बूटियों का निचोड़ है जो अत्यन्त प्रभावशाली कुटकीमारक है।

कुटकी, लाल मकड़ी और ग्लास हाऊस की कुटकी की परेशानी :

कुटकी, लाल मकड़ी पत्तों की निचली सतह पर इकठ्ठा होकर रस चूसती है। मादा लाल मकड़ी पत्तों पर ४०–५० अंडे देती है। पत्तो पर हरे–पीले रंग के धब्बे नजर आते हैं और पत्तों का झड़ना चालू हो जाता है। इस प्रकार से कुटकी पौधों की परेशानी को बढ़ाती है।

मिटीगेटर की विशेषताएँ :

- यह एक हर्बल कुटकी निवारक है जो कुटकी को भगाने एवं नष्ट करने में सक्षम है।
- यह कुटकी के प्रजनन प्रक्रिया को खत्म कर देता है और कुटकी पर रोकथाम लगाता है।
- पर्यावरण मित्र बहुआयामी कुटकी निवारक।
- कुटकी या लाल मकड़ी के प्रभाव शुरू होने से रोग के गम्भीर होने, दोनों ही परिस्थितियों मे प्रयोग किया जा सकता है।
- यह चाय पर लगने वाली कुटकी एवं ग्लास हाऊसों की कुटकी पर बहुत प्रभावशाली है।
- बचाव एवं विनाश मे सक्षम ।
- कोई विषकारी प्रभाव नही।
- कीटनाशकों एवं जैव उत्प्ररकों के साथ मिलाकर प्रयोग करने पर कोई दुष्प्रभाव नही।

निम्नलिखित फसलों पर मिटीगेटर कुटकी, लाल मकड़ी का निवारण करता है।

टमाटर, तरबूज, सभी वेलवर्गीय, मिर्च, शिमला मिर्च, करेला, बैंगन, भिन्डी, फलीदार सब्जियाँ, धान, गेंहू गन्ना, गुलाब, गेंदा, जरबेरा, कार्नेशन, आलू, गोबी, टिंडा, पपीता, अंगूर व अन्य कुटकी ग्रसित फसलों पे असरदार ।

मिटीगेटर इस्तेमाल करने का तरीका :

समय	मात्रा
कुटकी के प्रकोप का लक्षण दिखने से पहले या कुटकी के प्रकोप के तुरन्त बाद प्रयोग करें।	५ मि.ली. प्रति १ लीटर पानी इस प्रमाण से पत्तों के सतह पर छिड़काव करें।

पैकिंग:

२५० मि.ली., ५०० मि.ली., १ लीटर और ५ लीटर.